‘स्टेप विद रिफ्यूजी’ अभियान

प्रीलिम्स के लिये:

‘स्टेप विद रिफ्यूजी’ अभियान, संयुक्त राष्ट्र शरणार्थी उच्चायुक्त

मेन्स के लिये:

विश्व में शरणार्थी समस्याएँ

चर्चा में क्यों?

हाल ही में संयुक्त राष्ट्र शरणार्थी उच्चायुक्त (United Nations High Commissioner for Refugees-UNHCR) द्वारा प्रारंभ किये गए **‘स्टेप विद रिफ्यूजी’ (Step with Refugee)** अभियान में कई भारतीय व्यक्तियों द्वारा भाग लिया जा रहा है।

मुख्य बिंदु:

- कई भारतीय तथा अन्य देशों के व्यक्ति शरणार्थी समस्या को समझने के संदर्भ में इस अभियान में भाग ले रहे हैं।

क्यों प्रारंभ किया गया अभियान?

- पूरे विश्व में कई ऐसे परिवार हैं जिन्हें पलायन के लिये मज़बूर किया गया है तथा वे जीवित रहने के लिये असाधारण प्रयास करते हैं।
- ऐसे समय में जब अधिक-से-अधिक परिवार विभिन्न वैश्विक संकटों के कारण अपने घरों से पलायन के लिये मज़बूर हो रहे हैं, UNHCR द्वारा उनके परिवारों को सुरक्षित रखने के लिये तथा उनके जुझारूपन और दृढ़ संकल्प का सम्मान करने के लिये इस अभियान की शुरुआत की गई है।
- इस सामूहिक प्रयास के माध्यम से वैश्विक एकजुटता स्थापित करने, शरणार्थियों के संबंध में बेहतर समझ बनाने और शरणार्थियों की रक्षा के लिये धन जुटाने के साथ-साथ उनके जीवन के पुनर्निर्माण में सहायता की जाएगी।

क्या है स्टेप विद रिफ्यूजी’ अभियान?

- इस अभियान में भाग लेने वाले व्यक्तियों द्वारा 12 महीनों में दो बिलियन किलोमीटर की दूरी तय करने के लिये स्वयं को चुनौती दी जाएगी क्योंकि विश्व में शरणार्थियों द्वारा अपनी सुरक्षा के लिये हर वर्ष लगभग इतने किमी. की यात्रा तय की जाती है।
- इस अभियान में प्रतिभागी पैदल चलकर, साइकिल चलाकर या दौड़कर शामिल हो सकते हैं तथा फिटनेस एप फिटबिट, स्ट्रवा या गूगलफिट के माध्यम से भी आंदोलन में शामिल हो सकते हैं और वे जितने किलोमीटर तक यात्रा करेंगे वह अभियान में स्वतः जुड़ जाएगा।
- इस अभियान में प्रतिभागियों को एक ऑनलाइन कोच की सहायता देने की भी सुविधा है।
- इस अभियान के तहत UNHCR कई शरणार्थियों की दुखद और साहसिक यात्राओं को भी विश्व के सामने प्रस्तुत कर रहा है।

शरणार्थियों की बेहतर समझ का निर्माण:

- UNHCR ने शरणार्थियों को लेकर फैली कई तरह की भ्रांतियों को निम्नलिखित तथ्यों के माध्यम से दूर करने का प्रयास किया है-
  - शरणार्थी हमेशा युद्ध या उत्पीड़न के कारण दूसरे देशों में जाने के लिये मजबूर होते हैं। उन्हें "शरणार्थी" के रूप में मान्यता इसलिये दी जाती है, क्योंकि उनके लिये प्रवासियों के समान घर वापस आना बहुत जोखिमपूर्ण होता है।

शरणार्थी एवं प्रवासी के मध्य अंतर:

- शरणार्थी अपने देश में उत्पीड़न अथवा उत्पीड़ित होने के भय से पलायन को मज़बूर होते हैं। जबकि प्रवासी का अपने देश से पलायन विभिन्न कारणों

जैसे-रोज़गार, परविार, शक्षिा आदि के कारण भी हो सकता है कति इसमें उत्पीड़न शामलि नहीं है।
- इसके अतरिक्ति प्रवासी को (चाहे अपने देश में हो अथवा अन्य देश में) को स्वयं के देश द्वारा वभिन्नि प्रकार के संरक्षण का लाभ प्राप्त होता रहता है।

- अधकिांश शरणार्थी घर के नकिट रहने के लयि पड़ोसी देशों में सर्वाधकि पलायन करते हैं, इनमें से केवल 1% अन्य देशों में जाकर बसते हैं।
- दुनयि भर में, एक तहिाई से भी कम लोग शरणार्थी शविरिों में रहने को मजबूर हैं। अधकिांश शरणार्थी जीवन-यापन के लयि शहरों और कस्बों में जीवति रहने के लयि संघर्ष कर रहे हैं।

भारत में शरणार्थियों की समस्या:

- भारत भी पड़ोसी देशों बांग्लादेश, पाकस्तिान, नेपाल, तब्बित और म्यांमार से आने वाले शरणार्थियों की समस्या से जूझ रहा है। वर्तमान में रोहगि्या, चकमा-हाजोंग, तब्बिती और बांग्लादेशी शरणार्थियों के कारण भारत मानवीय, आंतरकि सुरक्षा आदि समस्याओं का सामना कर रहा है। ऐसे में यह आवश्यक हो जाता है कि भारत भी शरणार्थियों के संबंध में एक ऐसी घरेलू नीति तैयार करे, जो धर्म, रंग और जातीयता की दृष्टि से तटस्थ हो तथा भेदभाव, हसा और रक्तपात की वकिराल स्थति से उबारने में कारगर हो।

वैश्वकि शरणार्थी संकट तथा आगे की राह:

- शरणार्थी संकट वश्वि के समक्ष पछिली एक शताब्दी का सबसे ज्वलंत मुद्दा रहा है। वभिन्नि प्राकृतकि एवं मानवीय आपदाएँ जैसे- भूकंप, बाढ़, युद्ध, जलवायु परविर्तन आदि के कारण पछिली एक शताब्दी में लोगों के वस्थिापन की समस्याएँ उत्पन्न हुई हैं।
- इनसे नपिटने के लयि अंतर्राष्ट्रीय एवं राष्ट्रीय स्तर पर वभिन्नि प्रयास कयि जाते रहे हैं।
- शरणार्थी संकटों ने वभिन्नि देशों को प्रभावति कयि है जसिमें भारत भी शामलि है। भारत का पूर्वोत्तर क्षेत्र इसी प्रकार की समस्या से जूझ रहा है।
- 'स्टेप वदि रफि्यूजी' अभयिान वैश्वकि स्तर पर शरणार्थियों के संबंध में बेहतर समझ बनाने और शरणार्थियों की रक्षा के लयि धन जुटाने में सहायता करेगा।

स्रोत- द हदिू

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/step-with-refugees